नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

अमेरिका-ईरान के बीच समझौते

टीवी एक्ट्रेस संचिता उगले ने की आत्महत्या

नई दिल्ली, 15 जून. जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना 14 जून को सामने आई, जब 22 वर्षीय अभिनेत्री संचिता मच्छिंद्र उगले अपने घर में मृत पाई गईं. पुलिस ने बताया कि इस घटना की सूचना सबसे पहले उनके परिवार, उनके पिता द्वारा दी गई थी. सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच शुरू की गई. जांच अधिकारी ए.के. दांबरे के अनुसार, प्राथमिक रूप से यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है. अब तक की जांच में किसी प्रकार का सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे यह मामला और भी संवेदनशील और अनिश्चित हो गया है.

19 जून को स्विट्जरलैंड में होंगे हस्ताक्षर

60 दिन अमेरिका को शर्तें पूरी करने के लिए

वाशिंगटन 15 जून. पश्चिमी एशिया में युद्ध खत्म करने को लेकर अमेरिका और ईरान शांति समझौते पर सहमत हो गये है. दोनों देश 19 जून को स्विट्जरलैंड में एक आधिकारिक समारोह में इस पर हस्ताक्षर करेंगे. पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव और संघर्ष के बीच अब एक बड़ा कूटनीतिक मोड़ सामने आया है.

अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से चले आ रहे तनाव में अब एक संभावित शांति समझौते की खबर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल पैदा कर दी है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि दोनों देशों के बीच समझौता हो गया है, जिसके बाद हालात युद्ध से बातचीत की दिशा में बढ़ते दिखाई दे रहे हैं. इस समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और समुद्री व्यापार को सामान्य करने की बात सामने आई है, जिससे वैश्विक तेल बाजार में तुरंत प्रतिक्रिया देखने को मिली है.

ऑस्ट्रेलिया के एंथोनी अल्बानीज प्रधानमंत्री ने भी ईरान-अमेरिका शांति समझौते का स्वागत किया है. ऑस्ट्रेलिया पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि दुनिया अब उस खतरनाक दौर में है जहां जरूरी आर्थिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है.

वहीं, ऑस्ट्रेलिया पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि दुनिया अब उस खतरनाक दौर में है जहां जरूरी आर्थिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है. ईरान अब आतंकवाद के खिलाफ उस रकम का इस्तेमाल करेगा.

होर्मुज से नाकाबंदी हटाने का आदेश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर रविवार देर रात इस संबंध में जानकारी देते हुए लिखा कि ईरान के इस्लामी गणराज्य के साथ समझौता अब संपन्न हो चुका है. सभी को बधाई! मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के पूरी तरह खोलने की अनुमति देता हूँ. साथ ही, अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी को तत्काल प्रभाव से हटाने का भी आदेश देता हूँ.

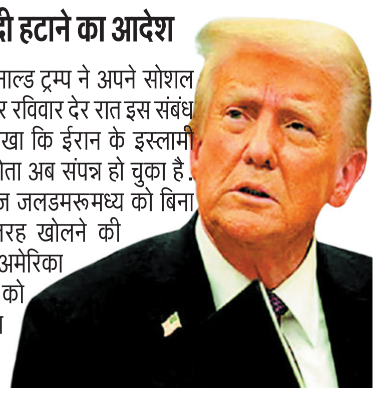

ईरान ने हस्ताक्षर से पहले रखी अहम शर्तें

1. यूएस नौसैनिक नाकाबंदी हटे, समझौते की पहली शर्त.
2. होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान-ओमान की निगरानी में रहेगा.
3. जब्त संपत्तियाँ फ्रीज नहीं, मुआवजे की मांग शामिल.
4. परमाणु सामग्री ईरान के भीतर ही कम होगी.
5. अमेरिका को शर्तें पूरी करने के लिए 60 दिन मिला.

सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं : ग्विर

वहीं, इजराइल ने साफ तौर पर कहा कि हम सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करेगें .शांति समझौते के एलान के बाद इस्राइली सुरक्षा मंत्री ग्विर ने दो टूक अंदाज में कहा कि इजरायल अपने सुरक्षा हितों को अंतरराष्ट्रीय समझौतों के भरोसे नहीं छोड़ सकता. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा कि ट्रंप का समझौता हमें नहीं बांध सकता.

टिकाऊ और अंतिम समझौते की आशा : मोदी

नई दिल्ली, 15 जून. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते की घोषणा का स्वागत किया है और इसे क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है. उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर साझा संदेश में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित किया है, जिससे कई देशों में आर्थिक अस्थिरता और जनहानि हुई है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच टिकाऊ समझौते की उम्मीद है इससे शांति आएगी. पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि इस समझौते के लागू होने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल होगी तथा व्यापार और आवागमन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जा सकेगी.

एलन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनर बने!

द्विपक्षीय व्यापार से विकास को दिशा

- भारत सुरक्षा परिषद का सदस्य बने : पीएम फिको
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर पहली पीठ स्थापित करने का निर्णय
- एआई और आतंकवाद-रोधी समेत 11 समझौतों पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली/ब्रातिस्लावा, 15 जून. भारत और स्लोवाकिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को समग्र साझेदारी के स्तर तक उन्नत करते हुए रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में 11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं. इस मौके पर स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने कहा कि हमारा देश चाहता है कि भारत सुरक्षा परिषद का सदस्य बने.

स्लोवाकिया की यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के बीच सोमवार को ब्रातिस्लावा में द्विपक्षीय बैठक के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये. दोनों देशों के बीच प्रमुख समझौतों में श्रम प्रवासन के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन ,रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आशय पत्र तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौता ज्ञापन शामिल हैं. उभरती और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग को नयी गति देते हुए प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कोसिसे में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की ओर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर पहली पीठ स्थापित करने का निर्णय लिया गया.

जेवर एयरपोर्ट से आज पहली कमर्शियल फ्लाइट शुरू

- देश के अन्नदाता का आसमान में सम्मान
- विमान में सवार 20 महिला किसान भी थीं

नई दिल्ली, 15 जून. उत्तर प्रदेश के महत्वाकांक्षी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने सोमवार को वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत के साथ इतिहास रच दिया.

इस अवसर को खास बनाने के लिए एयरपोर्ट निर्माण हेतु अपनी जमीन देने वाले 172 किसानों को पहली उड़ान में शामिल किया गया. इनमें 20 महिला किसान भी थीं. यह पहल उन किसानों के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से की गई, जिनकी भूमि पर यह विशाल परियोजना आकार ले सकी. पहली उड़ान का संचालन इंडिगो एयरलाइंस ने किया. उद्घाटन उड़ान लखनऊ से सुबह 7:05 बजे रवाना हुई और निर्धारित समय पर जेवर पहुंची. इसके बाद विमान ने जेवर से उड़ान भरते हुए किसानों को लखनऊ पहुंचाया. विमान में सवार किसानों ने इस अवसर को अपने जीवन का यादगार पल बताया. किसानों ने कहा कि जिस जमीन पर कभी उनकी खेती होती थी, आज वहीं से अंतरराष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा संचालित हो रहा है.

विश्वास ने बदली तस्वीर

मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ संवाद के दौरान उस दौर को याद किया जब जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जा रही थी. उन्होंने बताया कि वह स्वयं किसानों के बीच पहुंचे और बैठक की.

सीबीआई की टीम जांच के लिए आरजी कर अस्पताल पहुंची

कोलकाता, 15 जून. बंगाल के कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वर्ष 2024 में दुष्कर्म के बाद प्रशिक्षु चिकित्सक की हत्या के मामले की जांच के सिलसिले में सीबीआइ के अधिकारियों की एक टीम सोमवार को अस्पताल पहुंची. टीम में संयुक्त निदेशक स्तर के एक अधिकारी समेत कुल छह अधिकारी शामिल थे. टीम ने अस्पताल के प्राचार्य, चिकित्सा अधीक्षक, उप-प्राचार्य और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की. साथ ही अस्पताल के उस स्थान का भी निरीक्षण किया, जहां यह अपराध हुआ था.कोलकाता हाई कोर्ट ने पिछले महीने इस मामले में सबूत नष्ट किए जाने के आरोपों और पीड़ित परिवार द्वारा लगाए गए.